

मात्राएँ, शब्द तथा वाक्य

(Symbols of Vowels, Word and Sentence)



कोयल



बकरी

दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए। कोयल में 'क' के साथ 'ओ' का चिह्न लगाया गया है तथा बकरी में 'र' के साथ 'ई' का चिह्न लगाया गया है।

सार्थक शब्द बनाने के लिए शब्द में यदि किसी चिह्न या चिह्नों का प्रयोग करना पड़े, तो इन चिह्नों को हम **मात्राएँ** कहते हैं। व्यंजनों के साथ स्वर नहीं लिखे जाते, स्वरों की मात्राएँ लिखी जाती हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि—

व्यंजन के साथ स्वर का जो चिह्न लगता है, वह **मात्रा** कहलाता है।

आगे सभी स्वरों की मात्राएँ दी गई हैं। उन्हें ध्यान से देखिए -

स्वरों की मात्राएँ

स्वर	मात्रा	व्यंजन + स्वर	व्यंजन + स्वर की मात्रा	मात्रा के साथ व्यंजन	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + अ	कोई मात्रा नहीं	क	कमल
आ	।	क् + आ	क + ।	का	कान
इ	ि	क् + इ	क + ि	कि	किताब
ई	ी	क् + ई	क + ी	की	कील

उ	ॊ	क् + उ	क + ॊ	कु	कुत्ता
ऊ	ो	क् + ऊ	क + ो	कू	कूद
ऋ	॥	क् + ऋ	क + ॥	कृ	कृष्णा
ए	॑	क् + ए	क + ॑	के	केशव
ऐ	॒	क् + ऐ	क + ॒	कै	कैलाश
ओ	॑	क् + ओ	क + ॑	को	कोयल
औ	॒	क् + औ	क + ॒	कौ	कौवा

- 'र' के साथ 'उ' और 'ऊ' की मात्रा का प्रयोग इस तरह किया जाता है-

र + उ = रु = रुई

र + ऊ = रू = रूप

- 'ह' के साथ 'ऋ' की मात्रा इस प्रकार लगाते हैं - ह + ऋ = ह = हृदय।

- 'अ' स्वर की मात्रा नहीं होती है।



शब्द

क + छु + आ = कछुआ

(एक प्राणी का नाम)

छु + आ + क = छुआक

(इसका अर्थ कुछ नहीं होता)

जैसा कि आप जानते हैं कि 'कछुआ' एक प्राणी का नाम है, परंतु 'छुआक' का अर्थ कुछ नहीं है। वर्णों का ऐसा मेल जिसका कोई-न-कोई अर्थ हो, **शब्द** कहलाता है।

वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं।

विशेष - शब्द जब वाक्य में प्रयोग हो जाता है, तब वह पद कहलाता है।

वाक्य



पिताजी + अखबार + पढ़ + रहे + हैं
= पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं।

आपने देखा, पिछले पृष्ठ पर दिए गए वाक्य में शब्दों को सही क्रम में लिखा गया है, इसलिए यह वाक्य है; जबकि नीचे दिए गए वाक्य में शब्दों को सही क्रम से नहीं लिखा गया है, इसलिए यह वाक्य नहीं है।

हैं + पढ़ + पिताजी + अखबार + रहे
= हैं पढ़ पिताजी अखबार रहे।

शब्दों के सही क्रम को ही वाक्य कहते हैं।

हमने सीखा

- ❁ व्यंजन के साथ स्वर का जो चिह्न लगता है, वह मात्रा कहलाता है।
- ❁ वर्णों के सार्थक मेल से शब्द बनते हैं।
- ❁ शब्दों के सही क्रम को ही वाक्य कहते हैं।



आओ अभ्यास करें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

1. मात्रा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर:

2. शब्द कैसे बनते हैं?

उत्तर:

3. वाक्य किसे कहते हैं?

उत्तर:

4. “अच्छा है लगता पढ़ना मुझे”, इन शब्दों को सही क्रम में लगाकर सार्थक वाक्य बनाइए।

उत्तर:

(ख) सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए—

1. 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती है।

☐

2. 'र' में 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा नीचे लगाई जाती है।

☐

3. शब्दों के सार्थक मेल से वाक्य बनता है।

☐

4. 'ऋ' की मात्रा व्यंजन के ऊपर लगती है।

☐

(ग) व्यंजन के साथ स्वर की मात्रा मिलाकर दो-दो शब्द बनाइए —

स् + ए = क् + आ =

द् + ऊ = र् + उ =

(घ) नीचे दिए गए व्यंजनों को जोड़कर शब्द बनाइए —

म + छु + आ + रा = गि + ला + स =

अ + ल + मा + री = ख + र + गो + श =

(च) वाक्यों को सही करके लिखिए —

1. सच चाहिए सदा बोलना हमें।

2. रोज़ जाता मैं हूँ विद्यालय।

3. छुट्टी है दिन के रविवार होती।

(छ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए —

1. 'हृदय' शब्द में कौन-सी मात्रा है?

(अ) उ

☐

(ब) ऊ

☐

(स) ऋ

☐

2. इनमें से किस शब्द में ऊ की मात्रा है?

(अ) ऊन

☐

(ब) उल्लू

☐

(स) उँगली

☐

3. 'कीमत' शब्द में कौन-सी मात्रा है?

(अ) आ

☐

(ब) इ

☐

(स) ई

☐

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव आदि के नाम को **संज्ञा** कहते हैं। प्रत्येक वस्तु का कोई-न-कोई नाम अवश्य होता है। हम वस्तुओं को उनके नामों से ही पहचानते हैं; जैसे-

आपने देखा कि चित्र में कुछ व्यक्ति तथा कई प्रकार की चीज़ें दिखाई दे रही हैं। इनके नाम हैं-

व्यक्तियों के नाम - अध्यापक, विद्यार्थी।

स्थान का नाम - कक्षा, विद्यालय।

वस्तुओं के नाम - किताब, बेंच, पंखा, श्यामपट्ट, मेज़, कूड़ेदान।

भाव, दशा, गुण - सफ़ाई, प्रसन्नता, पढ़ाई।

ये चित्र में दिखाई देने वाली चीज़ों के नाम हैं।

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी, द्रव्य तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।



आइए, अन्य नामों को जानें -

व्यक्तियों के नाम-



राम



लड़की



महात्मा गांधी

प्राणियों के नाम—



हाथी



मोर



साँप

स्थानों के नाम—



ताजमहल



बगीचा



डाकघर

भाव, दशा, गुण—



बचपन



सर्दी



गरीबी

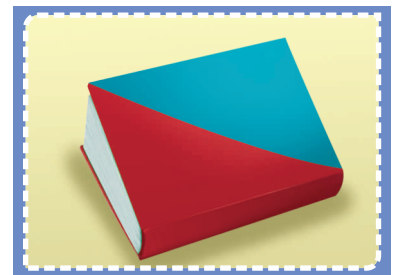
वस्तुओं के नाम—



साइकिल



पेड़



पुस्तक

हमने सीखा

❁ किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी, द्रव्य तथा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।



आओ अभ्यास करें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

1. संज्ञा की परिभाषा लिखिए।

उत्तर:

2. किन्हीं पाँच प्राणियों के नाम लिखिए।

उत्तर:

3. आपके शयनकक्ष में कौन-कौन सी चीज़ें संज्ञा शब्द हैं? किन्हीं पाँच के नाम लिखिए।

उत्तर:

4. किन्हीं चार भावों के नाम लिखिए।

उत्तर:

5. आम खाते समय आपको कैसा लगता है? उस भाव का नाम बताइए।

उत्तर:

(ख) सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए—

आगरा श्वेता पतंगें कार कमल

1. मेरी अध्यापिका का नाम है।
2. आकाश में उड़ रही हैं।
3. ताजमहल में स्थित है।
4. वह काले रंग की मेरी है।
5. हमारा राष्ट्रीय फूल है ।



(ग) दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए –

1. महात्मा गांधी एक महापुरुष थे।
2. यह कहानियों की पुस्तक मेरी है।
3. मेरे चाचाजी ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं।
4. हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है।
5. अर्चना मधुर गीत गाती है।



(घ) प्रत्येक वर्ग से तीन-तीन (संज्ञा शब्द) लिखिए –

1. मित्रों के नाम -
2. वस्तुओं के नाम -
3. शहरों के नाम -
4. सब्जियों के नाम -
5. फूलों के नाम -

सुमन मेरी प्रिय सहेली है। सुमन का स्वभाव बहुत अच्छा है। सुमन के पापा डॉक्टर तथा मम्मी अध्यापिका हैं। कक्षा में सुमन हमेशा प्रथम आती है। सुमन को संगीत सुनना पसंद है।

ऊपर दिए वाक्यों में सुमन का नाम बार-बार दोहराया जा रहा है जिससे वाक्य अटपटे लग रहे हैं।

सुमन मेरी प्रिय सहेली है। उसका स्वभाव बहुत अच्छा है। उसके पापा डॉक्टर तथा मम्मी अध्यापिका हैं। कक्षा में वह हमेशा प्रथम आती है। उसे संगीत सुनना पसंद है।

आपने देखा कि ऊपर दिए वाक्यों में सुमन का नाम बार-बार न लिखकर उसके स्थान पर कुछ अन्य शब्दों का प्रयोग किया गया है; जैसे - उसका, उसके, वह और उसे। ये सभी शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।



जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें **सर्वनाम** कहते हैं।

भाषा को सुंदर और स्पष्ट बनाने के लिए बार-बार संज्ञा-शब्दों (नामों) का प्रयोग नहीं किया जाता है।

हिंदी भाषा में प्रयोग होने वाले कुछ सर्वनाम शब्द इस प्रकार हैं –

हम	हमारा	हमें	वे	उन्हें	उनका
मैं	मेरा	मुझे	ये	इन्हें	इनका
तुम	तुम्हारा	तुम्हें	कौन	किन्हें	किनका
आप	आपका	आपको	वह	किसे	किसका

अपने से बड़ों के लिए हम 'आप' शब्द का प्रयोग करते हैं।

हमने सीखा

- संज्ञा-शब्दों के स्थान पर जिन शब्दों का उपयोग किया जाता है वे 'सर्वनाम' कहलाते हैं।
- कुछ सर्वनाम हैं- मैं, तू, आप, यह, वह, जो, को, कोई, कुछ, कौन, क्या आदि।



आओ अभ्यास करें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. सर्वनाम की परिभाषा लिखिए।

उत्तर:

2. भाषा को सुंदर व स्पष्ट बनाने के लिए हम किन शब्दों का प्रयोग करते हैं?

उत्तर:

3. कोई तीन सर्वनाम-शब्द बताइए।

उत्तर:

4. अपने से बड़ों के लिए हम किस सर्वनाम शब्द का प्रयोग करते हैं?

उत्तर:

(ख) उचित सर्वनाम-शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए-

1. चाचाजी, अंदर आइए।

(तुम / आप)

2. देखो दरवाजे पर आया है?

(कौन / उसे)

3. खेलने जा रहा हूँ।

(मैं / हम)

4. उस सफेद कार में आया है।

(वह / तुम)

(ग) सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए—

1. सर्वनाम-शब्दों के वचन भी बदलते हैं ।
2. अपने से बड़ों के लिए 'आप' शब्द का प्रयोग करते हैं ।
3. 'दीपावली' शब्द सर्वनाम है ।
4. 'किसका' शब्द सर्वनाम है ।
5. संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।

☐
☐
☐
☐
☐

(घ) निम्नलिखित सर्वनाम-शब्दों से वाक्य बनाइए—

1. उन्हें -
2. कौन -
3. आप -
4. मुझे -
5. तुम -

(ङ) जो शब्द सर्वनाम हैं, उन पर (✓) का चिह्न लगाइए—

मैं	☐	मछली	☐	कौन	☐
चाँदनी	☐	वे	☐	छतरी	☐
वह	☐	राम	☐	किसे	☐
शेर	☐	उनको	☐	मेरा	☐
उसे	☐	हम	☐	बिल्ली	☐
चिड़ियाघर	☐	कबूतर	☐	तुम	☐